वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 171 | बुधवार 18 अक्टूबर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

56 साल पहले एक वोट की कीमत थी 46 पैसे

203 करोड़ रुपए में हुआ था पिछला चुनाव, 92 गुना तक बढ़ गया खर्चा

पिछले चुनावों में आया था 203 करोड़ रुपए का खर्चा

जयपुर. कासं

आजादी के बाद से अब तक राजस्थान में 14 बार विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। इस साल 15वीं बार विधानसभा के चुनाव होने जा रहे है। आप जानकार हैरान होंगे की हर बार विधानसभा चुनाव में वोट डलवाने पर होने वाला खर्चा 56 सालों में 92 गुना तक बढ़ गया है। वहीं, वोटर्स की संख्या 5 गुना बढ़ी है। ने पूरे आंकड़े खंगाले तो पता चला की 1962 में चुनाव के दौरान एक व्यक्ति पर 46 पैसे खर्च हुए थे। निर्वाचन आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्थान में 1962 में जब विधानसभा के चुनाव करवाए गए थे, तब राज्य में कुल 1 करोड़ 3 लाख से ज्यादा मतदाता थे। 176 विधानसभा सीटों के लिए हुए इन चुनाव में निर्वाचन आयोग पर कुल 48 लाख रुपए खर्चा आया था। तब एक वोटर से वोट डलवाने का औसत खर्चा 50 पैसे से कम यानी 0.46 पैसे का खर्चा आया था। 56 साल बाद 2018 में जब विधानसभा चुनाव करवाए गए। तब खर्चा 92 गुना बढ़कर 42.53 रुपए प्रति वोटर आया। इन 56 साल में वोटर्स की संख्या बढ़ गई है। विधानसभा की सीटें 176 से बढ़कर 200 हो गई। राजस्थान में पिछले विधानसभा चुनाव जब 2018 में हुए थे, तब पूरे चुनाव का खर्चा 203.27 करोड़ रुपए आया था। तब प्रति व्यक्ति 42.53 रुपए खर्च आया था। जबकि साल 2013 के चुनाव में आयोग को 144 करोड़ रुपए खर्च करने पड़े थे। साल 2008 तक हुए विधानसभा चुनाव में खर्चा 100 करोड़ रुपए से भी कम आता था। 4 अक्टूबर को प्रकाशित मतदाता सूचियों के अनुसार राज्य में कुल 5 करोड़ 27 लाख से ज्यादा मतदाता हैं। इसमें 2 करोड़, 75 लाख से अधिक पुरुष और 2 करोड़ 51 लाख से अधिक महिला हैं। इनमें 1 लाख 41 हजार 898 सर्विस मतदाता भी हैं।

20 फीसदी तक बढ़ सकता है प्रति वोटर खर्च

विशेषज्ञों का आंकलन है कि जिस तरह हर पांच साल में विधानसभा चुनावों का खर्चा बढ़ रहा है। उसे देखकर अनुमान है कि इस बार एक वोटर पर खर्चा 51 रुपए तक आ सकता है। दरअसल, 2008 के बाद जब 2013 में वोट करवाए गए तो प्रति वोटर खर्च में दोगुना से ज्यादा हो गया था। 2008 में प्रति वोटर खर्च औसतन 15.34 रुपए था, जो 2013 में बढ़कर 35.27 रुपए आया था। 2013 से 2018 के तक प्रति वोटर्स पर खर्च करीब 20 फीसदी तक बढ़ा है।

इन मदों में होता है चुनाव खर्च

सबसे ज्यादा खर्चा करीब 60 फीसदी पोलिंग पार्टियों, सुरक्षा में लगे जवानों को दिए जाने वाले भत्ते, टीए-डीए पर खर्चा होता है। इसके अलावा पोलिंग पार्टियो को लाने-ले जाने, सेक्टर मजिस्ट्रेट, एफएसटी (फ्लाइंग स्क्वॉड टीम), एसएसटी (स्टेटिक सर्विलांस टीम) और (व्हीएसटी वीडियो सर्विलांस टीम) के लिए अधिग्रहण की हुई गाड़ियों का किराया खर्चा। वेबकास्टिंग, टेंट लाइट, माइक व्यवस्था, अल्पाहार, भोजन व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे मय कलर टीवी, पेट्रोल-डीजल, स्टेशनरी, मतदान सामग्री, मेडिकल किट। प्रचार-प्रसार सामग्री (फ्लैग्स, बैनर आदि), जीपीएस ट्रैकिंग, अस्थाई दूरभाष व्यवस्था, अस्थाई निर्माण कार्य, मतदान केंद्रों पर व्यवस्था, ईवीएम ट्रांसपोर्टेशन।

चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों का खर्च इससे ज्यादा

चुनाव आयोग की ओर से किए जाने वाले खर्च के अलावा भी बड़ी धनराशि प्रत्याशियों और पार्टियों के जरिए खर्च की जाती है। दो प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशियों की रिपोर्ट देखे तो भाजपा और कांग्रेस के सभी प्रत्याशियों ने पिछले विधानसभा चुनाव में प्रचार-प्रसार पर अपने स्तर पर कुल 55 करोड़ रुपए से ज्यादा धनराशि खर्च की थी। ये वो धनराशि का औसत है, जो चुनाव के बाद प्रत्याशियों ने अपने खर्चे में दिखाया है।

खराब मौसम के चलते 9 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट: पायलट उपलब्ध नहीं होने से दुबई फ्लाइट 11.20 घंटे लेट

जयपुर. कासं

स्पाइसजेट की फ्लाइट एसजी-57 सुबह 9:15 बजे जयपुर से दुबई जाती है लेकिन उड़ान भरने से पहले एयरलाइन ने यात्रियों को फ्लाइट डिले होने की सूचना दी। जिसके चलते जयपुर से दुबई जा रहे 160 यात्री एयरपोर्ट पर सुबह से परेशान होते रहे। बाद में स्पाइसजेट की जयपुर से दुबई जाने वाली फ्लाइट रात 8:35 बजे जयपुर से रवाना हुई। फ्लाइट के लेट होने का कारण तकनीकी खराबी नहीं थी, बल्कि पायलट उपलब्ध नहीं होने की वजह से फ्लाइट रवाना नहीं हो सकी थी। वहीं, देर शाम दिल्ली से मुंबई जा रही फ्लाइट एसजी-8192 को जयपुर उतारा गया। पायलट के लिए जयपुर में फ्लाइट की लैंडिंग कराई गई। ऐसे में 11:20 घंटे बाद रात 8:35 बजे फ्लाइट दुबई रवाना हुई। उधर, सोमवार रात करीब 9 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर खराब मौसम के चलते विमानों को जयपुर सहित आसपास के एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। जयपुर एयरपोर्ट पर कुल 9 फ्लाइट डायवर्ट होकर पहुंची, इनमें सर्वाधिक 5 फ्लाइट इंडिगो, 3 विस्तारा और 1 एयर इंडिया की फ्लाइट भी शामिल थी। बाद में दिल्ली एटीसी से क्लीयरेंस मिलने के बाद 8 फ्लाइट रात में ही दिल्ली के लिए रवाना हुईं, लेकिन इंडिगो की फ्लाइट 6ई-6026 रवाना नहीं हो सकी। पटना से दिल्ली की इस फ्लाइट के करीब 150 से अधिक यात्री रातभर एयरपोर्ट पर परेशान होते रहे।

श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प में 457 लोगो ने कराई स्वास्थ्य जांच

संयोजक प्रहलाद स्वरूप मार्बल वाले व समन्वयक दिनेश गर्ग ने बताया कि मेडिकल कैम्प का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला, मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व चिकित्सकों ने दीप जलाकर किया।

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रवाल समाज समिति के बैनर तले मनाए जा रहे श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 के तहत मंगलवार को अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में अग्रसेन स्पोर्ट्स टूर्नामेंट व अग्रवाल छात्रावास में श्री अग्रसेन मेडिकल कैम्प लगाया गया। इस मौके पर 457 समाजबंधुओं ने मेडिकल कैम्प का लाभ उठाते हुए बीपी, शुगर व ईसीजी की जांचें निःशुल्क करवाई। संयोजक प्रहलाद स्वरूप मार्बल वाले व समन्वयक दिनेश गर्ग ने बताया कि मेडिकल कैम्प का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला, मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व चिकित्सकों ने दीप जलाकर किया। जीवन रेखा हॉस्पीटल के सहयोग से आयोजित इस मेडिकल कैम्प में 457 समाजबंधुओं ने मेडिकल कैम्प का लाभ उठाते हुए बीपी, शुगर व ईसीजी की जांचें निःशुल्क करवाई। इस आथोर्पेडिक विषेषज्ञ डॉ.नीरज अग्रवाल, सीनियर इंटरवेशनल कॉर्डियोलॉजिस्ट डॉ.प्रदीप सिंघल,एफएनबी स्पाइन सर्जरी डॉ.आलोक अग्रवाल, गेस्ट्रोएंट्रॉलॉजी,डॉ.साकेत अग्रवाल, जनरल एंड लाप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ डॉ.श्रीराम गुप्ता व मनो चिकित्सक विशेषज्ञ डॉ अदिति अग्रवाल आदि विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दी।

अग्रसेन स्पोटर्स टूर्नामेंट में दिखाई प्रतिभा

श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव- 2023 के तहत अग्रसेन स्पोटर्स टूर्नामेंट का आयोजन अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में किया गया। इस मौके पर बच्चों,युवा व महिलाओं ने इन प्रतियोगिताओं में काफी संख्या में भाग लेकर अपनी प्रतिभा के जौहर दिखाए। प्रतियोगिता में करीब 250 के आसपास प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रभारी उपाध्यक्ष मुकंल गोयल, समन्वयक एडवोकेट पीयूष अग्रवाल और संयोजक शंकर लाल सूतपुणीवाले ने बताया कि अग्रसेन स्पोटर्स टूर्नामेंट का शुभारंभ श्री अग्रवाल समाज समिति के अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश भाड़ेवाला,मुख्य संयोजक पवन गोयल सफारी होटल वालों व प्रभारी उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ईटोंवाला ने पिच पर गेंद खेलकर किया।इस दौरान 50 व 100 मीटर की दौड़,नीबूं चम्मच दौड़, म्यूजकिल चैयर,क्रिकेट,तीन टांग दौड़ व लड़कियों,महिला व पुरुषों की जलेबी दौड सहित, महिलाओं और पुरुषों की क्रिकेट प्रतियोगिता हुई। अंत में समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी गोकुल दास अग्रवाल मैमिया व समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल आदि ने विजेताओं का आकर्षक उपहार देकर सम्मानित किया। इस मौके पर मुख्य समन्वयक अशोक गर्ग,कमल नानूवाला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अग्रवाल महिला सम्मेलन 19 अक्टूबर को

श्री अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष संतोष फतेहपुरिया ने बताया कि महोत्सव के तहत 19 अक्टूबर को अग्रवाल महिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर समारोह अध्यक्ष बीकाजी फूड्स इंटरनेशनल लिमिटेड की डायरेक्टर श्रीमती श्वेता अग्रवाल,मुख्य अतिथि एकता अग्रवाल,विशिष्ट अतिथि समाजसेवी अलका सराफ,श्रीमती गोविन्दी देवी भाड़ेवाला व निधि गोयल होंगी। इस मौके पर मेंहदी लगाना,बीडस फैसी ज्वैलरी मैकिंग,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता राजस्थानी लोक नृत्य,लघु नाटिका जैसे कई आयोजन होंगे। प्रभारी उपाध्यक्ष ओम प्रकाश ईंटोवाला व संयोजक रमेश बजाज ने बताया कि महोत्सव का समापन 21 अक्टूबर को शाम 6.15 बजे अग्रवाल कॉलेज प्रांगण में होगा। इस मौके पर मुख्य अतिथि चिकित्सा व स्वा.तकनीकी व संस्कृत षिक्षा राज्य मंत्री सुभाष गर्ग,अति विशिष्ट अतिथि विधायक कालीचरण सराफ व रीको के डायरेक्टर सीताराम अग्रवाल, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी व व्यवसायी लक्ष्मी नारायण फतेहपुरिया, इंसोलेशन एनर्जी प्रा.लि.के चैयरमेन मनीष गुप्ता,जीवन रेखा हॉस्पीटल के डायरेक्टर डॉ.नीरज अग्रवाल व समाजसेवी व व्यवसायी पूरण अग्रवाल तेल वाले होंगे। समन्वयक कमल नानूवाला,उप संयोजक नितेश भाड़ेवाला व राघव गोयल ने बताया कि इस मौके पर वर्ष 2022-23 में 10वीं,12वीं आरबीएसई व सीबीएसई के प्रथम तीन मैरिट होल्डर,भारत व राजस्थान के आईएएस आरएस, आरपीएस, आरजेएस, सेवाओं में चयनित अधिकारी,राष्ट्रीय पुरस्कार अशोक चक्र,वीरता पुरस्कार, कला व साहित्य,खेलकूद, वर्ल्ड रिकॉर्डधारी व ऐतिहासिक कार्य करने वाले समाजबंधुओं को सम्मानित किया जाएगा,साथ ही 80 वर्ष से अधिक उम्र के अग्रबंधओ का सम्मान किया जाएगा।

धर्मनगरी खतौली से श्री गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर कोर्ट के आदेशों के पालन के लिए उठी आवाज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

खतौली। विश्व जैन संगठन आकाश जैन ने कहा कि दिल्ली से आए जैन विश्व संगठन के पदाधिकारियो सहित सैकड़ों लोगों ने मौहल्ला कानून गोयान के भागीरथी जैन मंदिर के प्रवचन हाल में श्री गिरनार सिद्ध क्षेत्र पर कोर्ट के आदेशों के पालन के लिए आवाज उठाई। अरुण जैन (नंगली वाले) महामंत्री संयम महोत्सव वर्षा योग समिति, खतौली ने बताया कि जैन समाज गिरनार सहित जैन तीर्थो के संरक्षण के लिए 17 दिसंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान से एक बार फिर विशाल प्रदर्शन करने जा रहा है विश्व जैन संगठन इसका संयोजन कर रहा है। विश्व जैन संगठन के प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने कहा कि इसी क्रम में दिल्ली से विश्व जैन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय जैन सहित मुख्य पदाधिकारियो यश जैन, प्रदीप जैन,

महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका रुचि जैन, सरधना से युवा प्रकोष्ठ के सागर जैन मेरठ से अतिशय जैन सहित अनेकों युवाओं ने मंगलवार 17 अक्टूबर को पूज्य आचार्य श्री 108 भारत भूषण जी मुनिराज से मार्गदर्शन व आशीर्वाद लिया। आचार्य श्री ने अपने प्रवचन में जैन समाज को अपने तीर्थ क्षेत्रो के संरक्षण हेतु प्रयास करते रहने का उपदेश दिया, साथ ही सरकार से उच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रमाणिकता के आधार पर जैन समाज अपने तीर्थंकरों की मोक्ष स्थली पर पूर्व की भांति पूजा के अधिकार मांग रहा है। संजय जैन, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि जैन समाज अपने तीर्थो के संरक्षण के लिए प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार है। जैन तीर्थंकर नेमीनाथ की मोक्षस्थली गिरनार जी सिद्ध क्षेत्र की 5वी टोंक पर अवैध अतिक्रमण हटाकर सुरक्षित पूजा दर्शन हेतु पुलिस प्रशासन और पुरातत्व विभाग की मिली भगत के चलते कोर्ट के आदेशों को भी सरकार लागू नहीं करवा पा रही है और जल्द से जल्द पांचवी टोंक सहित जैन तीर्थ को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कर सीसीटीवी लगाने की अपील की। इस अवसर पर रुचि जैन संयोजिका महिला प्रकोष्ठ, विश्व जैन संगठन का सम्मान जैन महिला मंडल द्वारा किया गया।

वार्षिकोत्सव के साथ प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

लक्ष्मणगढ़, सीकर. शाबाश इंडिया। उपखंड क्षेत्र के पुरातन शिक्षण संस्थान श्री विद्यापीठ की सभी इकाईयों का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। ऋषिकुल विद्यापीठ प्रबंध समिति के अध्यक्ष विकास चूड़ीवाला एवं सचिव संगीता चूड़ीवाला के मुख्य आतिथ्य में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में वार्षिक प्रतिवेदन प्राचार्य डॉ.रेखा शर्मा के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्यारेलाल पूनिया, आईटीआई पालड़ीवाल शिक्षण संस्थान निदेशक राकेश मालवीय, वॉलीबॉल अर्जुन अवार्डी सुरेश मिश्रा, आचार्य नटवरलाल जोशी, तोदी महाविद्यालय सचिव आसकरण शर्मा, विप्र कल्याण बोर्ड सदस्य पवन शर्मा, गोयनका महाविद्यालय प्राचार्य राकेश बुडानिया, आदर्श विद्या मंदिर व्यवस्थापक पुरुषोत्तम मिश्रा, बगड़िया स्कूल सचिन पवन गोयनका, समाजसेवी रामस्वरूप सोमानी, जयप्रकाश सरावगी, गुरुजी गिरधारी लाल शर्मा, प्रदीप दाधीच, सहित बड़ी संख्या में अतिथि एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

झुमरी तिलैया में आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल का आयोजन

झुमरी तिलैया. शाबाश इंडिया

श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान व विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन श्री दिगम्बर जैन समाज द्वारा 16 से 23 अक्टूबर तक श्री दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर के बगल प्रांगण में किया जा रहा है। यह आयोजन मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में हो रहा है। आठ दिन तक चलने वाले इस विधान का शुभारंभ रविवार सुबह 6.30 बजे ध्वजयात्रा के साथ हुआ। जो नगर भ्रमण कर कार्यक्रम स्थल पर पहुँचा जहाँ कोलकोत्ता से आये भागचंद- विनीत छाबडा के द्वारा ध्वजारोहण के साथ विधान की क्रिया प्रारंभ हुई । सर्व प्रथम सौधर्म इन्द्रो के द्वारा अभिषेक शन्तिधारा के साथ भूमि शुद्धि करते हुवे सभी का सकलीकरण किया गया। इसके साथ विधान का आठ अर्घ,16 अर्घ,32 अर्घ,64 अर्घ,128 अर्घ,256 अर्घ के साथ श्री चरणों मे श्री फल समर्पित किया गया इस अवसर पर मुनि श्री 108 सुयश सागर जी ने कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान ऐसा अनुष्ठान है, जो हमारे जीवन के समस्त पाप-ताप और संताप को नष्ट कर देता है। यह विधान भक्ति के माध्यम से कर्म चक्र को तोड़कर मोक्ष प्राप्ति करने का मार्ग है। अर्घ समर्पण करने से मन मे एकाग्रता आती है और ये सिद्धचक्र विधान सिद्ध फल के साथ सुख शांति स्वास्थ्य सम्रद्धि सफलता और पुण्य प्रसून देने वाली है । कई बार तो पुण्य तो इतना तीव्र होता है उसे संभालना मुश्किल होता है जो पुण्य को संभाल लेता है वह अपने परिणामों को भी सम्हाल लेता है यह क्षमता हम सबके पास है ।विधान में रात्रि में प्रतिदिन मुनि श्री के मुखारबृन्द से णमोकार चालीसा के साथ बिभिन्य ग्रुपो के द्वारा भव्य आरती ओर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस उपलक्ष्य में समाज के द्वारा कई अयोजन होंगे जिसको सफल बनाने में पुरा समाज तत्पर है। नित्य कार्यक्रमों की श्रृंखला में मंडप का शुद्धिकरण, देव अर्चना, देव निमंत्रण, आचार्य निमंत्रण, गुरु निमंत्रण, अभिषेक शांतिधारा के पश्चात मुनि श्री जी का उद्बोधन होगा ।रात्रि में णमोकार चालीसा भव्य आरती सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे । विधान में प्रतिष्ठाचार्य प्रख्यात विद्वान पंडित संजय भैया ,बड़ौत, सह प्रतिष्ठाचार्य स्थानीय विद्वान पंडित अभिषेक जी शास्त्री की मुख्य भूमिका रहेंगी।

कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा,नविन जैन

इंसान होकर इंसान के काम आना सबसे बड़ा धर्म : संत विगुण सागर

अंबाह. शाबाश इंडिया। जैन धर्मशाला में धर्म सभा को संबोधित करते हुए संत श्री 105 विगुण सागर जी महाराज ने कहा कि जो अन्नदान करता है उसका अन्नभंडार सदा भरा रहता है। व्यक्ति आतिथ्य सत्कार के लिए सदा तैयार रहें। महिलाएं चार मुठ्ठी आटा ज्यादा भिगोए। चार रोटियों से आपके तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा, पर जिसके पेट में अन्न जाएगा उसका बहुत भला हो जाएगा। व्यक्ति वस्त्र दान और औषधि दान करने की भावना रखे। घर में अनुपयोगी अथवा पुराने कपड़ों को देने में संकोच न खाएं। कोई गरीब बीमार हो जाए तो उसे औषधि दिलाने का पुण्य कमाएं। घर के बाहर मटकी भर के रख दें, छत पर कुंडी भर के रख दें ताकि औरों की प्यास बुझाने का सौभाग्य मिल सके। श्रमदान करने की प्रेरणा देते हुए संत श्री ने कहा कि आप जिस क्षेत्र में है उस क्षेत्र में श्रमदान करे। व्यापारी महिने में एक दिन न फायदा न घाटे में सामान बेचे, डॉक्टर एक दिन फ्री में देखें, गरीबों के ऑपरेशन निशुल्क करें, रक्तदान और नेत्रदान का सौभागय लें। संत श्री ने कहा कि दूसरों की भलाई से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है और दूसरों के दिल को ठेस पहुँचाने से बढ़कर कोई पाप नहीं है। जैसे फूल का धर्म है खिलना, काँटे का धर्म है गढ़ने पानी का धर्म है शीतलता और अग्नि का धर्म है गर्मी पैदा करना, ठीक वैसे ही इंसान सोचे कि आखिर उसका धर्म क्या है। हम इंसान हैं इसलिए पहले इंसानियम का धर्म अपनाएं और इंसान होकर इंसान के काम आएं। अगर कोई मंदिर में एक ओर लाखों को चढ़ावा बोलता है और दूसरी ओर द्वार पर आए भिखारी को धक्के मार के निकाल देता है तो सोचो उसका धर्म ठीक है? देने वाला कहलाता है देवता- संतश्री ने कहा कि जो औरों को देता है वही देवता कहलाता है। जो गरीब और जरूरतमंद लोगों के काम आता है, उनकी सेवा करता है भगवान उसकी झौली सदा भरता है। उन्होंने कहा कि भगवान से प्रार्थना में धन-दौलत नहीं, वर- औरों के काम आने की सेवा मांगना क्योंकि सेवा से मेवा अपने आप बरसने लग जाते हैं। जिसके भीतर औरों का भला करने की भावना है उससे अगर सौ गलतियाँ भी हो जाए तो भगवान उसे माफ कर देता है। दूसरों की मदद करें-दूसरों की मदद करने की प्रेरणा देते हुए संतश्री ने कहा कि केवल अपने बीबी-बच्चों तक ही सीमित न रहें वर-दूसरों की मदद भी करें। जो दूसरों की मदद करेगा वह जरूर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि भाग्य का निर्माण धर्म-कर्म से नहीं मदद करने से होगा।

वेद ज्ञान

दुख का मूल

भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। एक भिखारी हर रोज की तरह सुबह-सुबह भीख मांगने निकला। चलते समय उसने अपनी झोली में जौ के मुट्ठी भर दाने डाल लिए। कुछ दूर ही चला था कि अचानक सामने से राजा की सवारी आती दिखाई दी। भिखारी ने सोचा अब राजा के दर्शन और मिलने वाले दान से गरीबी दूर हो जाएगी। जैसे ही राजा भिखारी के निकट आया। उसने अपना रथ रुकवा लिया, लेकिन यह क्या राजा ने उसे कुछ देने के बजाय अपनी बहुमूल्य चादर उसके सामने फैला दी और उलटे उसी से भीख मांगने लगे। भिखारी को समझ ही नहीं आ रहा था कि वह करे तो क्या करे। खैर उसने अपनी झोली में हाथ डाला और जैसे-तैसे मन मसोस कर जौ के दो दाने राजा की चादर पर डाल दिए। राजा चला गया तो भिखारी भी दुखी मन से आगे चल दिया। उस दिन उसे और दिनों के मुकाबले कुछ ज्यादा ही भीख मिली, पर उसे खुशी नहीं हो रही थी। दरअसल उसे राजा को दो दाने भीख देने का बड़ा मलाल था। बहरहाल शाम को घर आकर जब उसने झोली पलटी तो उसके आश्चर्य की सीमा न रही। उसकी झोली में दो दाने सोने के हो गए थे। वह समझ गया कि यह सब दान की महिमा के कारण हुआ। उसे इस बात पर बेहद पछतावा हुआ कि काश, राजा को कुछ और दाने दान कर देता। वह समझ गया कि अवसर ऐसे ही लुके-छिपे ढंग से सामने आते हैं। समय रहते व्यक्ति उन्हें पहचान नहीं पाता। यह मात्र कहानी नहीं है। जिंदगी की एक ऐसी सच्चाई है जिसे जानकर भी हम नहीं जानते जिसे समझ कर भी हम नहीं समझते। अंग्रेजी के विख्यात कवि वड्र्सवर्थ ने अपनी एक कविता में बड़े पते की बात कही है हम दुनिया में इतने डूबे हुए हैं कि प्रकृति से कुछ भी ग्रहण नहीं करते। उस प्रकृति से जो हमारी अपनी है। निन्यानबे के फेर में दुनिया के लेन-देन में अपनी सारी जिंदगी गुजार देते हैं। जिस दृष्टिकोण से जीवन का लक्ष्य बनाया है उसे पाने में जीवन की अधिकांश ऊर्जा लगाते हैं। सुख या दुख वस्तु के संग्रह से नापा जाने लगा है। अधिक से अधिक धन बटोरने की एक होड़ सी लगी हुई है। इसी होड़ में जीवन का वास्तविक अर्थ ही गुम होता जा रहा है। दुख का सबसे बड़ा कारण इच्छा या कामना ही है। चाहे हुए का न होना और अनचाहे का हो जाना दुख का मूल कारण है।

संपादकीय

सियासी चुप्पी से सुप्रीम कोर्ट नाराज

अदालती फैसलों और निर्देशों को नजरअंदाज करना जैसे सत्तासीन लोगों की आदत हो गई है। अक्सर वे न्यायालय के निर्देशों पर टालमटोल करते देखे जाते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष का रवैया भी कुछ वैसा ही है। इस पर नाराजगी जताते हुए सर्वोच्च न्यायालय को कहना पड़ा कि विधानसभा अध्यक्ष इस तरह न्यायालय के निर्देशों को नजरअंदाज और निष्प्रभावी करने की कोशिश नहीं कर सकते। न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष को एक हफ्ते के भीतर समय-सीमा तय करने को कहा है। दरअसल, महाराष्ट्र में शिवसेना से अलग होकर छप्पन विधायकों ने भाजपा से हाथ मिला लिया और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार बन गई। इस पर शिवसेना ने विधानसभा अध्यक्ष से गुहार लगाई कि वे अलग हुए विधायकों को अयोग्य घोषित करें। इस संबंध में चौंतीस अर्जियां लगाई गई हैं, मगर विधानसभा अध्यक्ष ने उन पर ध्यान नहीं दिया। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय से अपील की गई कि वह विधानसभा अध्यक्ष को विधायकों की अयोग्यता संबंधी अर्जियों पर फैसला सुनाने का आदेश दे। मई में जब सर्वोच्च न्यायालय ने उद्धव ठाकरे सरकार गिराने के मामले में सुनवाई करते हुए फैसला दिया, तभी विधानसभा अध्यक्ष को भी निर्देश दिया था कि वे विधायकों की अयोग्यता संबंधी मामले में फैसला सुनाएं। उस निर्देश के बाद करीब पांच महीने बीत गए, मगर विधानसभा अध्यक्ष यही कहते रहे हैं कि समय आने पर वे इस मामले में फैसला सुनाएंगे। अब सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि विधानसभा अध्यक्ष ऐसा कह कर नहीं टाल सकते। यह फैसला अगले विधानसभा चुनाव से पहले हो जाना चाहिए, नहीं तो फिर उसका कोई संवैधानिक महत्त्व नहीं रह जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने हालांकि यह भी कहा कि वह विधानसभा अध्यक्ष के संवैधानिक अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे रहा, मगर जहां कहीं संवैधानिक मूल्यों का हनन होता है, वहां उसे दखल देना भी पड़ता है। यह सर्वोच्च न्यायालय की कठोर टिप्पणी है। उम्मीद की जाती है कि महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष इसे गंभीरता से लेंगे। मगर महाराष्ट्र में जिस तरह के राजनीतिक समीकरण बने हुए हैं, उसमें विधानसभा अध्यक्ष किस हद तक संवैधानिक मूल्यों की रक्षा कर पाएंगे, देखने की बात है। मामला केवल शिंदे के साथ गए विधायकों की अयोग्यता का नहीं, राकांपा से अलग होकर शिंदे सरकार में शामिल हुए विधायकों का भी है। मगर विधानसभा अध्यक्ष इन दोनों मामलों में चुप्पी साधे हुए हैं, तो इसकी वजह भी प्रकट है। जिस तरह एकनाथ शिंदे की अगुआई में शिवसेना के विधायक कई दिनों तक अलग-अलग शहरों में भागते फिर रहे थे और उनका आतिथ्य भाजपा के लोग संभाले हुए थे, उसी से जाहिर हो गया था कि उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने की साजिश रची गई है। फिर जिस नाटकीय ढंग से एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया, उसके बाद अनेक संवैधानिक सवाल उठने शुरू हो गए थे। यही प्रक्रिया तब भी दोहराई गई, जब राकांपा से अलग होकर आठ विधायकों ने शिंदे सरकार में महत्त्वपूर्ण ओहदे हासिल कर लिए।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आर्थिक रिश्ते...

कई बार सामान्य लगने वाली कोई पहलकदमी दो देशों के बीच संबंधों के नए आयाम रचती है। हालांकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसके जरिए दोनों देश आगे का कौन-सा रास्ता अख्तियार करते हैं। शनिवार को भारत और श्रीलंका के बीच शुरू हुई नौका सेवा की व्यावहारिक अहमियत यही है कि इससे एक बार फिर दोनों देशों के आर्थिक रिश्तों को नई दिशा मिलेगी। इससे राजनयिक मोर्चे पर भी संबंधों का नया सिरा खुलेगा। गौरतलब है कि तमिलनाडु के नागपट्टिनम से लेकर श्रीलंका के जाफना के पास कांकेसंतुरई तक नौका सेवा की शुरूआत को दोनों देशों के बीच संबंधों में नई शुरूआत माना जा रहा है। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा भी कि हम भारत और श्रीलंका के बीच राजनयिक और आर्थिक संबंधों का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं और यह इस मामले में एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय ने भी नौका सेवा की शुरूआत को लोगों के बीच संपर्क को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। यों भी, संपर्क कायम रखने के मामले में सहजता दोनों देशों के बीच साझेदारी का एक केंद्रीय विषय रही है, क्योंकि यह व्यापार, पर्यटन से लेकर लोगों के बीच संवाद की नई स्थितियों की रचना करती है। वहीं युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने में भी यह काफी सहायक होती है। पड़ोसी होने के नाते भारत और श्रीलंका के लिए यह राजनयिक के साथ-साथ भौगोलिक दृष्टि से भी एक जरूरी पहलू हो जाता है। इस लिहाज से पिछले करीब एक दशक में दोनों देशों के बीच परिवहन संपर्क के स्तर पर सहयोग में बढ़ोतरी हुई है। सन 2015 में भारत के प्रधानमंत्री ने जब श्रीलंका की यात्रा की थी, तब दिल्ली और कोलंबो के बीच सीधी विमान सेवा की शुरूआत हुई थी। बाद में 2019 में चेन्नई और जाफना के बीच भी सीधी उड़ान शुरू हुई। अब नागपट्टिनम और कांकेसंतुरई के बीच नौका सेवा को इसी दिशा में एक कड़ी माना जा सकता है। दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक रूप से संस्कृति, सौहार्द और सहयोग आधारित संबंध रहे हैं। बीच में उपजी कुछ आशंकाओं के बाद अब फिर संबंधों में मजबूती के नए दरवाजे खुलते दिख रहे हैं। दरअसल, बीते कुछ सालों के दौरान अपनी आंतरिक परिस्थितियों और समीकरणों की वजह से श्रीलंका का झुकाव चीन की ओर हुआ था। इस क्रम में चीन ने आर्थिक व्यूह-रचना के बूते श्रीलंका को अपने दायरे में बांधने की पूरी कोशिश की। हालांकि उसके बाद से नतीजा यह होना चाहिए था कि श्रीलंका की माली तस्वीर सुधरती। मगर इसके उलट, भारी कर्ज की वजह से आर्थिक मोर्चे पर उसकी हालत यह हो गई कि पिछले साल वहां एक तरह से जनविद्रोह हो गया और व्यापक अराजकता फैल गई थी। उससे संभलने और उबरने में श्रीलंका को काफी जद्दोजहद करनी पड़ी। अब श्रीलंका चीन के जाल से बाहर आने के लिए नए सिरे से खड़ा होने की कोशिश कर रहा है। भारत की ओर उसके बढ़ते कदमों को इसका संकेत माना जा सकता है। कुछ समय पहले श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे की भारत यात्रा के दौरान भी दोनों देशों ने आर्थिक साझेदारी के लिए दृष्टि-पत्र अपनाने की घोषणा की थी। उस दौरान बनी सहमति के बाद अब उम्मीद की जानी चाहिए कि नौका सेवा से भारत-श्रीलंका के बीच संपर्क बढ़ेगा, व्यापार को रफ्तार मिलेगी एवं लंबे समय से कायम रिश्ते और मजबूत होंगे।

क्रोध को नापने की नहीं कोई मशीन, जिनवाणी ही कर सकती जीवन में शांति: इन्दुप्रभाजी म.सा.

जिस दिन हमारी इच्छाएं खत्म हो जाएगी शुरू हो जाएगी धर्म की साधना-समीक्षाप्रभाजी म.सा., रूप रजत विहार में महासाध्वी जैनमतिजी म.सा. की जयंति के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। दुनिया में सब कुछ मापने के लिए लीटर, मीटर, थर्मामीटर सहित जैसे यत्रं बने हुए है पर कोई यंत्र या मशीन ऐसी नहीं है जो क्रोध का नाप कर सके। शांत मन ही क्रोध को नियंत्रित कर सकता है। जो क्रोध नियंत्रित नहीं कर पाता है वह गलत कदम उठा लेता है। जिनवाणी से ही इहलोक हो या परलोक शांति की प्राप्ति होती है। जिनवाणी इच्छाओं पर भी नियंत्रण करता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में मंगलवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने गुरूणी जैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय आयोजन के पहले दिन धर्मसभा में व्यक्त किए। पहले दिन घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप के साथ कई श्रावक-श्राविकाओं द्वारा दो-दो सामायिक की साधना एवं एकासन तप आराधना की गई। उन्होंने जैन रामायण का वाचन करते हुए बताया कि किस तरह जब राम ओर सीता के वनवास में जाने के बारे में लक्ष्मण को सूचना मिलती है तो उसके मन में खलबली मच जाती है ओर सोचता है कि केकयी के मन में ऐसी कुमति क्यों आई। लक्ष्मण को गुस्सा आ रहा है कि जिनके राजतिलक की तैयारी हो रही थी उन्हें वनवास कैसे मिल गया। लक्ष्मण अपनी माता सुमित्रा से कहते वह भी भैया राम ओर भाभी सीता की सेवा के लिए उनके साथ

वन में जाएंगे। धर्मसभा में तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने कहा कि दुनिया की नजर में जीवन में आपकी उपयोगिता तब तक है जब तक उनके स्वार्थों की पूर्ति हो रही हो। व्यक्ति धर्म करने में भी फायदा देखता है लेकिन जब भी कोई परेशानी आए तो सबसे पहले धर्म का साथ छोड़ देता है। ऐसा धर्म काम नहीं आने वाला है। उन्होंने कहा कि जिस दिन हमारी इच्छा,कामना खत्म होगी धर्म शुरू हो जाएगा। अपेक्षा ओर इच्छाएं दुःख का कारण है। संकल्प करे कि प्रतिदिन हम कम से कम एक घंटे तक इच्छा नहीं करेंगे। इससे जो सुख शांति मिलेगी उसे महसूस करें। फिर समय बढ़ाते रहे जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। धर्मसभा में ने भजन की प्रस्तुति देने के साथ अधिकाधिक जिनवाणी श्रवण कर धर्म प्रभावना करने की प्रेरणा दी। धर्मसभा में आगम मर्मज्ञा डॉ. चेतनाश्रीजी म.सा., मधुर व्याख्यानी डॉ. दर्शनप्रभाजी म.सा.,आदर्श सेवाभावी दीप्तिप्रभाजी म.सा.,तरूण तपस्वी हिरलप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा का सानिध्य भी रहा। धर्मसभा में अतिथियों का स्वागत श्री अरिहन्त विकास समिति द्वारा किया गया। सचांलन युवक मण्डल के मंत्री गौरव तातेड़ ने किया। समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र सुकलेचा ने बताया कि पूज्य जैनमतिजी म.सा. की 106वीं जयंति के तीन दिवसीय आयोजन के तहत दूसरे दिन बुधवार को णमोत्थुणं का जाप, दो-दो सामायिक एवं आयम्बिल दिवस मनाया जाएगा। इसी तरह 19 अक्टूबर को गुणानुवाद के साथ तीन-तीन सामायिक एवं एकासन दिवस मनाया जाएगा। जयंति महोत्सव के उपलक्ष्य में प्रवचन में तीनों दिन 11-11 लक्की ड्रॉ भी निकाले जा रहे है।

सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत का जाप

रूप रजत विहार में मंगलवार को सुबह 8.30 बजे से सर्वसुखकारी व सर्वव्याधि निवारक घण्टाकर्ण महावीर स्त्रोत जाप का आयोजन किया गया। तत्वचिंतिका डॉ.समीक्षाप्रभाजी म.सा. ने ये जाप सम्पन्न कराया। इसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लेकर सभी तरह के शारीरिक कष्टों के दूर होने एवं सर्वकल्याण की कामना की। चातुर्मासकाल में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 8.30 से 9.15 बजे तक इस जाप का आयोजन हो रहा है।

उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना 24 अक्टूबर से

महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने बताया कि भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्ययन सूत्र की 21 दिवसीय आराधना 24 अक्टूबर से 13 नवम्बर तक चलेगी। इसके माध्यम से उत्तराध्ययन सूत्र के 36 अध्यायों का वाचन भी पूर्ण किया जाएगा। नवपद ओली आयम्बिल आराधना 20 से 28 अक्टूबर तक होगी। ओली आयम्बिल आराधना के लाभार्थी गुलाबचंदजी राजेन्द्रजी सुकलेचा परिवार रहेगा।

कटरा इतवारी खां जैन मंदिर में मनाया वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव"

आगरा. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज कटरा इतवारी खां के तत्वावधान में आगरा के नाई की मंडी स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर कटरा इतवारी खां में वार्षिक कलशाभिषेक महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। भक्तों ने महोत्सव का शुभारंभ भगवान चंद्रप्रभु की नित्य नियम पूजन के साथ कियो इसके बाद भक्तों ने श्रीजी की प्रतिमा को पांडुक शिला पर विराजमान कर स्वर्ण कलशों से अभिषेक की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की। इस दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा थो सायःकाल भक्तों ने श्रीजी की मंगल आरती की। इसके उपरांत धार्मिक प्रश्नोत्तरी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए । इस अवसर पर मंदिर अध्यक्ष निर्मल कुमार मोठ्या,सुरेंद्र बैनाड़ा अजीत रांवका,राजेश बैनाड़ा, पन्नालाल बैनाड़ा,मनीष मोठया,अनिल जैन,मनीष मोठया,वीरेंद्र जैन मोठया, अनिल मोठया,प्रमोद रांवका,अजित जैन,प्रियंक जैन नरेंद्र कुमार जैन, अशोक जैन,मोहनलाल जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन उमा जैन,उषा जैन,सुनीता जैन पुष्पा जैन,अंजू जैन, सिद्धी जैन,मोनिका जैन,डॉली जैन पायल जैन,बुलबुल जैन,समस्त कटरा इतवारी खां जैन समाज के लोग बडी.संख्या में उपस्थित रहे।

जैन सोशयल ग्रुप्स का जैन एकर्स-

जेएसजी क्रिकेट प्रीमीयर लीग

जयपुर. शाबाश इंडिया

जेएसजीआईएफ नॉर्दन रीजन के तत्वावधान में एस जे पब्लिक स्कूल जयपुर में 108 टीमों व 1186 खिलाडियों के साथ शुरू हुई इस क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन 08 अक्टूबर, 2023 को हुआ। रीजन के एडवाईजर उजास जैन एवं रविन्द्र बिलाला, वाइस चैयरमैन ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 20 मैच रोज खिलाये जा रहे है। रीजन के संयुक्त सचिव राजकुमार ने बताया कि प्रथम एरीना में अंडर आर्म के आकर्षक मैच हो रहे है जिनमें एक रोचक मैच में यूनिवर्स ए टीम ने स्पार्कल डी टीम को 110 रन का लक्ष्य दिया, मैच यूनिवर्स ए टीम ने जीता जिसमें अंकित जैन मैन ऑफ द मैच रहे। साथ ही, एरीना -2 के कन्वीनर नीलेश जैन ने बताया कि एक आकर्षक मैच में सनशाइन ब्यावर की टीम को अरिहंत टीम ने हराया जिसमें विक्रम जैन मैन ऑफ द मैच रहे। ऑवर आर्म एरीना के कन्वीनर मुकेश कासलीवाल ने बताया कि शनिवार और रविवार को ज्यादातर मैच ब्यावर-अजमेर और दिल्ली-जयपुर की टीमों के रहे जो सभी बड़े रोचक रहे। रीजन के संयुक्त सचिव राजीव जैन ने बताया की विभिन्न समाज के प्रतिष्ठित मेहमानों ने कार्यक्रम में शिरकत की जिसमें मुख्य रूप से विद्यायक रफीक खान, नगर निगम पार्षद पारस जैन, मनीष शुक्ला वित्तीय सलाहकार रीको, मिस इंडिया फेम 2019 सुश्री सृष्टि खत्री, प्रिंट हाउस के प्रमुख व्यवसायी आशीष शर्मा रहे।

संकलनः महेन्द्र गिरधरवाल-मुख्य समन्वयक-क्रिकेट टूर्नामेंट

वीनस ग्रुप के अध्यक्ष नितिन जैन एवं विपुल पापडीवाल ने बताया कि वीनस ग्रुप की महिला टीम विजय रही। टीम की कप्तान शानू पापड़ीवाल ने शानदार प्रदर्शन किया। जिन्हे वूमेन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

मोक्ष की प्राप्ति का चरण है, सम्यक ज्ञानः महासती धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नई। मोक्ष की प्राप्ति का चरण है सम्यक ज्ञान।मंगलवार साहुकारपेट जैन भवन में महासती धर्मप्रभा ने आयोजित धर्मसभा में श्रद्धालुओं को सम्बोधित करतें हुए कहा कि मनुष्य ने ज्ञान प्राप्त कर लिया और आचरण मे बदलाव और सुधार नहीं आता है तो उसका समस्त ज्ञान और चारित्र मिथ्या है और उसके ज्ञान का कौई भी मतलब और अर्थ नहीं है। जैसे अंक बिना बिन्दुओं की लम्बी लकीर बना देने पर भी,उसका कोई अर्थ नहीं निकलता है। उसी प्रकार ज्ञान आ जाए और आचरण और चारित्र में हमारे बदलाव नहीं आता है तो ज्ञान का कौई मतलब नहीं है ज्ञान और चारित्र के बिना आत्मा को मोक्ष नहीं मिलता है ज्ञान और चारित्र जो मनुष्य प्राप्त कर लेता है उसका ज्ञान सम्यक ज्ञान बन जाता है वही आत्मा संसार से मोक्ष प्राप्त कर सकती है।साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्तराध्यय सूत्र के बतीस अध्याय की दुसरी गाथा का वर्णन करतें हुए कहा कि सम्यक दर्शन अर्थात धर्म को जानना,सम्यक ज्ञान अर्थात धर्म को मानना और सम्यक चरित्र अर्थात जाने माने हुए धर्म मार्ग की ओर बढ़ना। इस तीनों के समावेश के बाद ही व्यक्ति अपनी आत्मा को मोक्ष दिलवा सकता है। किताबी ज्ञान प्राप्त कर लेने से सम्यक ज्ञान प्राप्त नहीं होता है धर्म को जाने पर ही मनुष्य सम्यक ज्ञान प्राप्त करके अपने जीवन का निर्माण और आत्मा का उत्थान करवा सकता है। साहुकार पेट श्री संघ कार्याध्यक्ष महावीर चन्द सिसोदिया ने जानकारी देते हुए बताया धर्मसभा में अनकें भाई बहनों की उपस्थिति में राजस्थान ब्यावर के भगवान पार्श्वनाथ जैन होस्पिटल के अध्यक्ष जंवरीलाल सिसोदिया और जोधपुर समाज सेवी विरेन्द्र कोठारी का साहुकारपेट श्री एस.एस.जैन संघ के मंत्री सज्जन राज सुराणा,हस्तीमल खटोड़,शम्भू सिंह कावड़िया, पृथ्वीराज वाघरेचा,विजयराज दुग्गड़ आदि सभी ने बाहर पधारें सिसोदिया और कोठारी का आतिथ्य सत्कार करते हुए शोलमाला पहनाकर स्वागत किया। मंगलवार से प्रतिदिन 8:30 से 10:00 बजे तक भगवान महावीर स्वामी की अंतिम देशना उत्तराध्यय सूत्र का सताईस दिनों तक मूल एवं अर्थ सहित.महासती धर्मप्रभा जी द्वारा जैनभवन साहुकारपेट वांचन किया जाएगा।

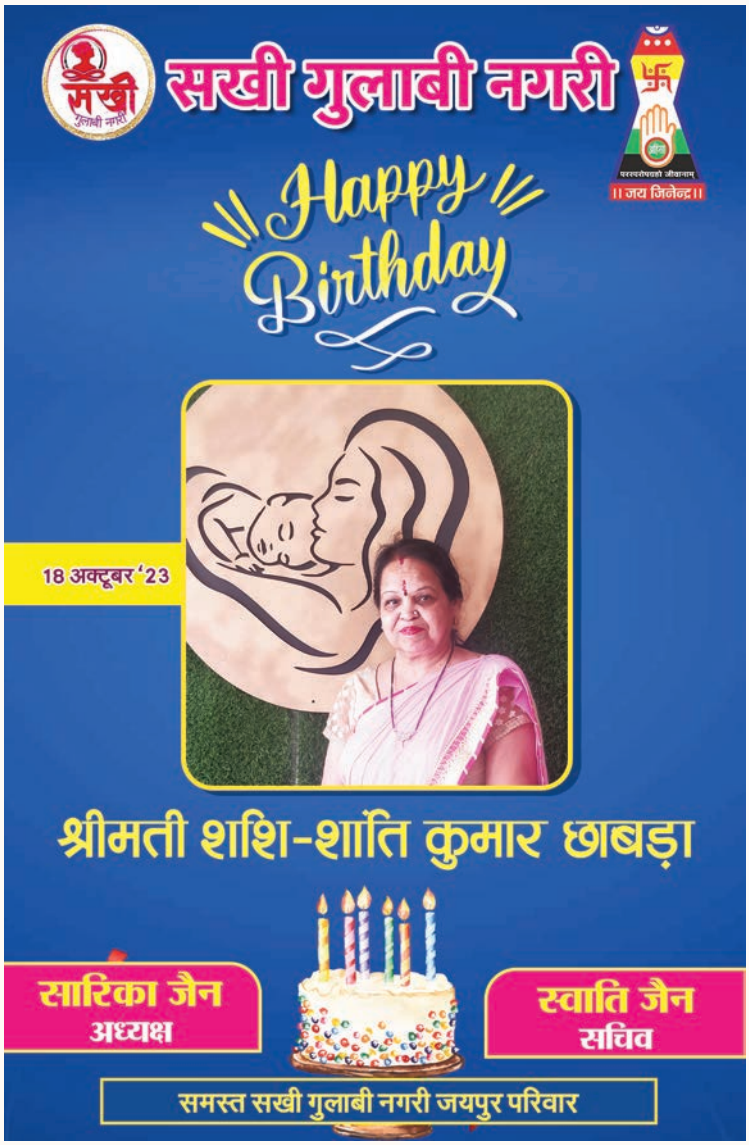

भव्य जैनेश्वरी दीक्षा समारोह धुलियान में 22 अक्टूबर को

धुलियान. शाबाश इंडिया। आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी ससंघ का 29वां चातुर्मास पवित्र गंगा नदी किनारे बसी धुलियान नगरी में धर्म प्रभावना के चल रहा है। 50 दिवसीय जिन सहस्त्रनाम महा अर्चना सफलता के साथ सम्पन्न हुई। इसी क्रम में 22 अक्टूबर 2023 रविवार को जैनेश्वरी दीक्षा होगी जिसमें आचार्य विराग सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी की गृहस्थावस्था की जन्म जननी ब्र.पार्वती देवी को आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी देंगी दीक्षा के संस्कार तथा 24 अक्टूबर 2023 को आर्यिका विन्ध्यश्री माताजी द्वारा दीक्षित 4 शिष्याओ का गुरु उपकार दिवस मनाया जायेगा। **संकलन : संजय बड़जात्या धुलियान**

मोराझड़ी में शोभायात्रा व कलशाभिषेक सम्पन्न

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। निकटवर्ती ग्राम मोराझड़ी स्थित पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में रविवार को भव्य जिनेन्द्र शोभायात्रा व कलशाभिषेक कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के तहत प्रातः शांति मण्डल विधान पूजन किया गया जिसमें अष्ट द्रव्यों से अर्घ्य चढ़ाये गये। दोपहर में भगवान जिनेन्द्र देव की गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई जो जैन मंदिर से रवाना होकर गांव में होती हुई पुनः जैन मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई जहां सांय 4 बजे भगवान जिनेन्द्र देव का कलशाभिषेक किया गया। इस अवसर पर अजमेर, किशनगढ़, नसीराबाद सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित जैन धर्मावलम्बी शामिल थे।

श्री राम ने राजा जनक के संताप को दूर कर शिव धनुष का किया भंजन

लीला मंचन में रावण बाणासुर संवाद

विराटनगर. शाबाश इंडिया। कस्बे में स्थित रामलीला मैदान में श्री अवधेश कला केंद्र राम लीला मंडल के तत्वावधान में चल रही 15 दिवसीय लीला मंचन के दौरान सोमवार को रावण बाणासुर संवाद एवं धनुष यज्ञ की लीला दिखाई गई। मंडल के महासचिव मामराज सोलंकी ने बताया कि प्रसंग के अनुसार महाराजा जनक ने अपनी पुत्री सीता के स्वयंवर हेतु प्रतिज्ञा करी कि जो भी राजा शिव धनुष पर चाप चढ़ाएगा, उसी के साथ पुत्री सीता का स्वयंवर होगा। इस बात को सुनकर देश-विदेश के अनेक राजाओं ने स्वयंवर में भाग लिया। इसी के चलते लंकाधिपति रावण ने अकेले में मौका देखकर धनुष को उठाने का प्रयास किया, परंतु उठाना तो दूर उसकी अंगुली धनुष के नीचे आ गई। यह नजारा बाणासुर ने देखा तो दोनों के मध्य तीखी नोंक झोंक हुई। स्वयंवर में सभी राजाओं ने अपनी ओर से जोर आजमाइश की परंतु किसी ने भी धनुष तो उठाना दूर उसे हिला भी नहीं सके। और निराश होकर सभी राजा वापस लौट पड़े। जिस पर राजा जनक चिंतित होकर कहा की यह पृथ्वी वीरों से खाली है यह बात सुनकर सभा में बैठे लक्ष्मण क्रोधित हुए। परंतु मुनि विश्वामित्र ने उन्हें शांत कर भगवान श्री राम को राजा जनक के संताप को दूर करने हेतु आज्ञा प्रदान की। जिस पर भगवान श्री राम ने शिव धनुष को तिनके की तरह उठाकर उसका भंजन कर डाला। और माता सीता ने भगवान श्री राम को वरमाला पहनाया। लीला मंचन के दौरान मां दुर्गा की भव्य झांकी दिखाई जिसमें आगंतुक अतिथियों ने आरती उतारी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

महासमिति का सम्मान समारोह 22 अक्टूबर को मानसरोवर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अचल की कार्यकारिणी सभा महावीर नगर में लिए गये निर्णयानुसार दशलक्षण महापर्व में विभिन्न मंदिरों में आयोजित कार्यक्रमों तथा झांकियां को 22 अक्टूबर को आयोजित सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। श्रेष्ठ रहे मंदिरों को मीरा मार्ग जैन मंदिर के आदिनाथ भवन में महाराज श्री के सानिध्य में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सभा में अध्यक्ष अनिल जैन रिटायर्ड आईपीएस, महावीर बाकलीवाल, णमोकार जैन , नवीन सेन जैन, पर्यवेक्षक नरेंद्र बाकलीवाल , भागचंद , कैलाश, महिला मंडल से शकुंतला, सुनीता, मंजू सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे । इस अवसर पर अनिल जैन व उपस्थित गणमान्य सदस्यो द्वारा बंधन ग्रुप द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

माथुर वैश्य समाज के विवाह योग्य युवक युवतियों का डाटा संग्रह कर रही श्रीमती गीता गुप्ता हो रहा तमाम परिवारों को लाभ

अंबाह. शाबाश इंडिया। माथुर वैश्य मंडलीय परिषद मध्यांचल मंडल के मंडलाध्यक्ष दीपक गुप्ता ने अंबाह की वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमती गीता विजय गुप्ता को बायोडाटा संयोजक मनोनीत किया है जिसकी चलते माथुर वैश्य समाज के लोगों को के लिए घर बैठे अपने विवाह योग्य लड़के लड़कियों के लिए जीवन साथी की तलाश करने श्रीमती गीता विजय गुप्ता बायोडाटा ग्रुप चल रही है वह इस कार्य को लगातार 20 वर्ष से कर रही है इस बायोडाटा ग्रुप में विवाह योग्य युवक युवती के संपूर्ण परिचय के साथ-साथ चित्र व अन्य विवरण भी दिया जाता है गीता गुप्ता ने बताया कि उनके द्वारा अब तक तमाम इंजीनियर, सीए, आर्किटेक्ट, डॉक्टर,वकील और अन्य उच्च शिक्षित श्रेणी सहित विशिष्ट श्रेणी के प्रत्याशियों के परिचय भी ग्रुप में शामिल किए गए हैं। इच्छुक समाजबंधु ग्रुप से जुड़ने के लिए संपर्क कर सकते हैं। श्रीमती गुप्ता ने बताया कि वह लगातार बीस वर्षों से बायोडॉटा संग्रह कर रही हैं। वर्तमान में ग्रुप की महत्ता को देश-विदेश के हजारों परिवारों ने घर बैठे स्वीकार किया है। इससे समय, श्रम, धन व कागज की बचत होतीं हैं ग्रुप द्वारा ऐसे प्रत्याशियों के लिए अलग से जगह दी गई है जिनके बेटे विदेशों में हैं और विवाह के बाद बेटी भी वहां जाने की इच्छुक हो। इसी तरह विवाह में किसी तरह की आर्थिक मांग नहीं करने वाले प्रत्याशियों या उनके परिवारों को अलग से जगह दी गई है। ग्रुप में मध्यप्रदेश के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र, गुजरात व उत्तर भारत सहित देश भर के युवक-युवतियों की प्रविष्टियां दर्ज की गई है। इसी तरह तमाम श्रेणी के प्रत्याशियों, मेट्रो व छोटे शहरों के प्रत्याशियों को भी शामिल किया गया है।

चौबीस समवशरण में महा पूजा के साथ हो गया महोत्सव शुरू

चौबीस समवशरण में हो रही है महा आराधना। श्रेष्ठ श्रोता बनकर सार तत्व को ग्रहण करे : आचार्यश्री आर्जव सागर जी

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद व आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस एवं मुकेश भइया के मार्गदर्शन में 15 अक्टूबर से प्रारंभ हुए श्री चौबीस समवशरण विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ में चक्रवर्ती बनकर महापूजन का सौभाग्य धर्मेन्द्र कुमार रोकड़िया, सौधर्म इन्द्र जैन समाज के महामंत्री राकेश अमरोद, कुबेर इन्द्र सतीश राजपुर महायज्ञ नायक संजीव कुमार श्रागर, बहुवलि मनोज कुमार रन्नौद, मुख्य समवशरण में महापूजा रचा रहे हैं। वहीं चौबीस समवशरणो में प्रथक प्रथक रूप से सौधर्म इन्द्र कुबेर इन्द्र बनकर प्रतिष्ठा चार्य प्रदीप भइया शुयस मुकेश भइया दारा मंत्रोचार के द्वारा सभी क्रियाएं परम पूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में सम्पन्न किया जा रहा है ।

भगवान की वाणी में जिनका नाम आता है वे भव्य होता है: आचार्य श्री

इस दौरान धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि भगवान की वाणी में जिनका नाम आता है चाहे ये राजा हो रंक सेठ साहूकार सैनिक हो और यहां तक कि पशु पक्षी भी क्यों ना हो सभी भव्य ही होते हैं अभव्य का नाम भगवान की वाणी में आता ही नहीं है भव्य जीव ही प्रभु की वाणी सुनने धर्म देशना स्थल समवशरण में पहुंच कर दिव्य देशना सुनने का सौभाग्य प्राप्त करते हैं समवशरण में शेर चीता गाय वैल सभी एक साथ बैठकर धर्म श्रवण करते हैं ऐसे समवशरण की रचना आपके नगर में की गई है आप सभी ऐसे अलौकिक समवशरण में बैठकर महा पूजन का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं।

गाय के समान श्रोता बनकर संस्कार ग्रहण करे

उन्होंने कहा कि श्रोता भी तीन प्रकार के होते हैं हंस के समान जो अच्छी अच्छी बातें को सुन लेते हैं नीरज क्षीर विवेक की तरह अच्छी बातो को ग्रहण करते चले जाते हैं दूसरे गाय के समान श्रोता होते हैं जो दो पैर पानी में रखकर साफ पानी को ग्रहण करती है श्रोता भी अच्छी बात को आत्मसात कर लेते हैं तीसरे भैंस के समान श्रोता होते हैं जो पहले सारे पानी को मचा देते है फिर पानी पीतीं है ऐसे ही अच्छी बातों में जो क्षल ढूंढकर उत्पात मचाया करते हैं ऐसे श्रोता हमको नहीं वनना हमें अच्छे श्रोता बनकर संस्कार को प्रतिष्ठित करना है। मध्यप्रदेश महासभा

संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि प्रतिष्ठा प्रदीप भइया शुयस मुकेश भइया के निर्देशन में हमने पूर्व में भी दो दो बार समवशरण महा मंडल विधान पीत वस्त्र आभूषण के साथ विशेष पात्रों के साथ जिन आराधना की है ऐसे इस बार और बढ़-चढ़कर उत्साह दिखाना है। समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद संयोजक उमेश सिघई युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने बहार आये अतिथियों का सम्मान किया।

पंच मण्डलीय रिद्धि मन्त्र युक्त भक्तामर दीप अर्चना का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में बालयोगिनी आर्यिका विशेष मति माताजी के सानिध्य में पंच मण्डलीय रिद्धि मन्त्र युक्त भक्तामर दीप अर्चना भक्ति भाव के साथ हुई । प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया कि नित्य चल रहे भक्तामर पाठ में मंगलवार शाम को मयंक सुलोचना पाटनी, राकेश उर्मिला जैन , मनीष शीला सेठी , जे के जैन चन्द्रकला जैन व कैलाश विकास साखूनिया परिवार सहयोगी रहे। मिट्टी के दीपक में घी बत्ती लगाकर परिवारों ने तैयार किए तथा एक एक रिद्धि मन्त्र पर उपस्थित जन समुदाय ने जयकारों के साथ जगमगाते मण्डलों पर दीप समर्पित किए। इसके पूर्व मूलनायक भगवान नेमिनाथ के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया तथा समापन पर भक्तामर महिमा व आरती की गई ।

सौंदर्य व्यवहार और सोच में होता है: डॉ. कुमार विश्वास

अपने-अपने राम का समापन: 18 से 23 तक भव्य डांडिया नाइट्स, 24 को रावण दहन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिलाओं और बेटियों को ये जानना चाहिए कि सुंदरता उनके व्यवहार और उनकी सोच में है न कि सोने-चांदी के आभूषणों में। जब दुष्यंत ने शकुंतला को पहली बार देखा तो अपने कवि मित्र से पूछा कि मेरे महल में हीरे-मोती पहननेवाली रानियां इतनी सुंदर नहीं है फिर यह वल्कल पहने लड़की इतनी सुंदर क्यों है तो दुष्यंत के मित्र ने कहा कि सुंदर आकृतियों को आभूषण धारण करने की जरूरत नहीं होती। वे जो पहनले वही आभूषण बन जाता है। उक्त उद्गार रामकथा मर्मज्ञ और कवि डॉ. कुमार विश्वास ने विद्याधर नगर स्टेडियम आयोजन समिति के तत्वावधान में विद्याधर नगर स्टेडियम में चल रहे ₹अपने-अपने रामह कार्यक्रम के अंतिम सत्र को संबोधित करते हुए मंगलवार को व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि केवल वल्कल धारण कर मेरा राम निकला तो गांव के गांव ठिठक कर रुक गए। लोग खड़े हो गए कि ये इतना सुंदर कौन है। उन्होंने कहा कि दृष्टि में विकार न हो तो मानव मात्र में राम दिखाई देंगे अन्यथा रावण। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वर्ण भारत के कलाकार आकाश ने अरे द्वारपालों भजन के साथ किया। इसके बाद प्रियांशु शाह ने झीनी रे झीनी चदरिया की प्रस्तुति दी। कुमार विश्वास के मंच पर आते ही लोगों ने खड़े हो करतल ध्वनि से उनका अभिनंदन किया। युगकवि ने भी जयपुर के आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यहां आकर आत्मानंद मिला।

शीघ्र ही करेंगे अपने-अपने श्याम

दशहरा महोत्सव समिति के सचिव अनिल संत ने बताया कि बहुत शीघ्र डॉ. कुमार विश्वास विद्याधर नगर स्टेडियम में अपने-अपने श्याम कार्यक्रम के तहत कृष्णकथा सुनाएंगे जिसकी घोषणा विश्वास ने मंच से भी कर दी। कार्यक्रम में सीकर सांसद स्वामी सुमेधानंद, जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, कालीचरण सर्राफ, कांग्रेस नेता सीताराम अग्रवाल, नगर निगम ग्रेटर की महापौर सौम्या गुर्जर, देश के ख्यातिनाम कवि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्यजन उपस्थित रहे।

भाव विभोर हुए बोहरा

सांसद रामचरण बोहरा ने मंत्रमुग्ध होकर राम की कथा सुनी। बोहरा ने दशहरा महोत्सव समिति को सफल आयोजन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजन करते रहें जिससे युवापीढ़ी में संस्कारों का पोषण हो। गौरतलब है कि विद्याधर नगर स्टेडियम में दशहरा महोत्सव चल रहा है जिसका समापन 24 अक्टूबर को रावण दहन के साथ होगा। इससे पहले 18 से 23 अक्टूबर तक बॉलीवुड कलाकारों के साथ भव्य डांडिया नाइट्स होगी।

'स्वाद' और 'सुगंध' का इतिहास बनाएंगे महंत बाबू गिरि

अन्नकूट की तैयारी भक्तों को भी 'बेसब्री' से इंतजार: सुशील चौहान

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। हर साल की तरह इस बार भी संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबु गिरी जी अन्नकूट के माध्यम से स्वाद और सुगंध का इतिहास रचने वाले है । आलम ये है कि हर बार की भाँति अन्नकूट इस बार भी अपना ही रिकार्ड तोड़ने वाला है। स्वाद और सुगंध की बेजोड़ तैयारी शुरू हो चुकी है। महंत बाबू गिरी जी ने आज मंगलवार के शुभ दिन दिए विशेष इंटरव्यू में इस बार के अन्नकूट के बारे में खुलकर बातचीत की। अबकी बार दीपावली के दूसरे दिन यानी 13 नवम्बर 2023 का दिन शहर का संकटमोचन हनुमान मंदिर फिर इतिहास रचने जा रहा हैं। मंदिर के मंहत बाबूगिरी महाराज ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति अन्नकूट महोत्सव होगा। भक्तों के लिए चार हजार किलो की सब्जी बनाई जाएगी जिसे पचास हलवाईयों की टीम तैयार करेगी। सब्जी के साथ साथ चावल और चवले भी बनेंगे। सब्जी में डाला जाएगा पनीर। वहीं काजू-बादाम, किशमिश, पिस्ता और केसर। सब्जियों को जायकेदार बनाने के लिए तेज पत्ता, लौंग, दालचीनी, इलाइची व स्वादिष्ट गरम मसाले का तड़का। इसे बनाने के लिए बीस पीपे तेल और पांच पीपे देशी घी लगेगा और इसके साथ गुलाबजामुन तथा सर्दी का एहसास दिलाने वाले मरके प्रमुख रूप से बनेंगे। मंहत बाबू गिरी जी ने बताया अन्नकूट काफी समय से बन रहा हैं, मगर आज से सौलह साल पहले उनके सानिध्य में जबसे अन्नकूट बनना शुरू हुआ तब से भक्त हर साल इस प्रसाद का इंतजार करते हैं। हर साल एक ही स्वाद होता हैं। अन्नकूट का प्रसाद पाने के एक किलोमीटर लंबी लाइन लगती हैं भक्त दो-दो घंटे लाइन में खड़े होकर प्रसाद पाने के लिए खड़े रहते हैं। इस काम सहयोग देते हैं मंदिर के ट्रस्टी और श्रद्धालु। ट्रस्टी महावीर अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी अन्नकूट के लिए तैयारियां की जा रही हैं। जहां भक्त पोषबड़े का आंनद लेते हैं तो हनुमान जयंती पर काजु कतली का प्रसाद और जन्माष्टमी पर आकर्षक झांकियां के साथ पंजरी का प्रसाद तथा इस बार दिपावली पर ''स्वादिष्ट और लजीज'' अन्नकूट का स्वाद चखेंगे।

कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा ''तीन का तड़का'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कैपिटल संगिनी फोरम द्वारा चीलगाड़ी रेस्टोरेंट,सांगानेर एयरपोर्ट जयपुर पर ''तीन का तड़का'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षा शकुंतला पांडया ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत णमोकार मंत्र से करके सभी सदस्याओं का स्वागत किया गया। तत्पश्चात अल्पाहार के साथ सभी ने हाउजी खेली। कार्यक्रम में 'तीन का तड़का' लगाया गया, जिसमें सदस्याओं ने तीन -तीन का ग्रुप बनाकर नाटक, डांस व झलकियां प्रस्तुत की। सभी प्रस्तुतियों में समाज व देश की कई समस्याओं को दर्शाया गया व उनसे बचने का संदेश दिया गया। सचिव अलका जैन द्वारा मंच संचालन किया गया। पूर्व अध्यक्षा श्रीमती समता गोदीका, हेमा सौगानी व मीना जैन चौधरी द्वारा श्रेष्ठतम 3 प्रस्तुतियों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय घोषित किया व अन्य सभी प्रस्तुतियों को भी प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार दिया गया। संस्थापक अध्यक्षा विनीता जैन के अनुसार कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्याओं ने भरपूर सहयोग दिया। अंत में सचिव अलका जैन ने सभी को धन्यवाद दिया ।